

सर्व सर्वप्रमोदिनादिना वाधिसत्वा सद्गता धातुद्वयदिना
या सर्वकथानसम्प्रेष्य यत्नामयत्नामभिर्दं ॥ ॥ हूति सर्वद्वय
धिसत्त्वस्य यत्नामसुतिसमाध ॥ ७ ॥ ७४ ॥

आध्यात्मिक

233

I

ॐ

ॐ नमो लोकाय नमः श्रीमदायावलाकिनस्त्रयाय वाधिमत्वायमलास
त्वायमलाकावलीकाय नमो लोकाय नमः श्रीमदायावलाकिनस्त्रयाय वाधिमत्वायमलास
युनिद्वन्द्वत्माय नमः श्रीमदायावलाकिनस्त्रयाय वाधिमत्वायमलास
युनिद्वन्द्वत्माय नमः श्रीमदायावलाकिनस्त्रयाय वाधिमत्वायमलास

गुं सामवधीयमाविबुधनं यादिसकाकयनोमिसवन्तं ॥ ३ ॥ नमो
निमिवायद्वन्द्वत्माय नमः श्रीमदायावलाकिनस्त्रयाय वाधिमत्वायमलास
युनिद्वन्द्वत्माय नमः श्रीमदायावलाकिनस्त्रयाय वाधिमत्वायमलास
युनिद्वन्द्वत्माय नमः श्रीमदायावलाकिनस्त्रयाय वाधिमत्वायमलास

यत्पुं ऊनयमिदृशः कथमवियन्तं ॥ ९ ॥ सावत्तानाधिभवमियन्ति
पुं कथयमिकथं किमिति न दृष्टं न सावत्तानाधिभवमिति न दृष्टः क
यसा कथममिदं वद ॥ १० ॥ दन्ति तु वंशमयप्रकलत्रं वाचमकल
कथमवियन्तं सांमिदं विना दसकथयन्तं नवताथिशादलमनः

नं ॥ ११ ॥ अज्ञानगुठिकायादकमिदं सिद्धिः सिद्धो यधिमतिमन्त्रविदुः
द्विभूमिधुतियद् मीयवदमन्त्रुयमियस्यन्तलाकदश ॥ १३ ॥ अ
कथयवत्तविलासदीना विविधयाधिमदायदीना ननत्वयितुम्य
मृद्वीला विलमन्त्रुजागुतागामीया ॥ १३ ॥ अगदवाधिमदडा

किं न्यः ३ अन्त्रियान्त्रिमदायागिन्नुषमरतिननस्ययवायमदुतः ॥ यी ता
यस्य त्वंतिनत्रनशा ॥ ३ ॥ गुरुनिलाकद्वरकिं यियमाता मन्त्रा मिसः
गवन्नामदुवाता नो म्यदुसनदि तमदुनयाति आदयद्रादममाकुल
वाति ॥ ४ ॥ एषद्विययद्वियवच्चालसनमा कृतवद्वयायद्याकुलव

यद्यानीनं उन्नामयामिमकलं उपरनिमिरुअमताविकलं ॥ ५ ॥
तत्कदुमस्युनिममलाकद्वयताताविदिवा ऊलि रदुमयशयना नुः
न्वायाथिकदृश्यं मगानि नवनायामिममदं ॥ ६ ॥ गमादुद्वयविः
नादनदुलु त्वं ममावमदादधिमरुगपनि गवन्ना क्यनवा दृक्

लङ्गनायमनियकवता माकिं नवतानियवस्यवता। यननवदसि
किंत्वियवतं नवतयवतामाविश्ववत्तं ३३ एनायकयानव्यामविद्रा
तामन्ययथास्वउडतया वा कृतकलनिम्नान्नतवददन्न मयनिः
निवन्तमनिवन्तमयथा ३४ एतुनित्रगावन्मावतायत्यर्थासमः

ननदंउगादकृतूलनतां श्रीयानकावलवासं अनयलुसद्वरवि
विधवित्तामं ३५ एतुनिद्वीमयायावताकिंनद्वयस्य वयुदिया
विश्वविनंम्रावममायथा ३६ एतुनममममयथा ३७

ॐ नमः श्रीवज्रमहाय ॥ आम्भूमूर्धनस ददाव तुवूनमस्कावयाय ॥

वृष्टद्वाराया ध्यानयाय जाय न्याग गाथ पूर्वस्मिन् खन धनं वी दशनः
 धिरायाव कशक्ति वाक्कगधनं रुद्रकाव लेख इथाय घास आसनया दं
 मलमूत्र त्यागयाय सूर्यादियस पूर्वमाय वाक्किम उद्धमस्य नसवाय गीः
 ध्यास दक्षिणमाय वीत्रवादि गा माउसकस्य मल मूत्र वान धनं वी वा
 कायाव नदगात्र लेखन सिय धनं वी वस्तुगात्र गाव वावय अयाः

मार्ग कदंब आदिनं सृजगित ध अंगुलि १२ ॥ धनं वी लेखन स्नान
 याय मूलमलून दर्जजलिमूदान लेखगाधन ॥ उंख गुवाह कुरु ॥ धम
 लून गिवस लेखनहाय धाव ३ ॥ उंम विध विव किमि मकाय किम व कुरु
 र ३ स्मारा ॥ धमलून मय ठि किय ॥ ॥ धन माउ ह्य ॥ लेखगाधन ॥ ॥
 उंआ ३ व जी दक कुरु स्मारा ॥ ३ ॥ उंय थारि जाक माउ ती स्नायिना ३ सर्व

दुंदी गिषायं कृत्तुं गिरसि । रुद्र २ सर्वादि ॥ वामक २७ नाखा
दिन्याग ॥ ॥ थनयादनाग ॥ उं येनेक २४ ॥ इकाय ॥ ॥ अ ४ कृ
रुका १३ ॥ कृने ॥ ॥ कृनेचक १२ ॥ कृने ॥ ॥ मूलमकुन जायया
य ॥ ॥ थयातिव दवगागयल लखगा न ॥ सूर्याय जलाद्ययति
कृसाहा ॥ ३ ॥ उं नमः समक वृद्धस्य यहायामिता वृद्धजननीस्य ४

आर्यशावकसेधस्य ४ जलाद्ययती कृसाहा ॥ ॥ थनयिरुकर्यल ॥
उं यिगा ययिता वृद्धयिगा यिगामरु ययितामरु वृद्धयिगामरु साउ
लाघस्रध ॥ ॥ थन यगांजलि ॥ उं यय २ य मविष्टुद्ध ययितामरु
दिस्य ४ सुखावगीलाकक्षरुमनू गच्छुसाहा ॥ ॥ थनवृद्धनकिय ॥
कृलिहावय विधानथं निरुक्कमयाय जाय धानादि भाग ॥

तत्ता राजन शिवाय वाक् चतुर्वधु सिंदनयादाव धिन जाश
नय ध्यालिद यंचवलि विय ॥ ॐ अमृता नय स्वाहा ॥ १ ॥
ॐ नन्दादि (गम) साहचर्य नमः स्वाहा ॥ २ ॥ ॐ अग्निधिर्यः स्वाहा ॥ ३ ॥
ॐ अकाशमय सर्वधर्माणि मायन त्वत्त्वम् ॥ ॐ हविर्मीमासाय देवीस्यः
ॐ आः ह्रूं ह्रूं स्वाहा ॥ ४ ॥ ॐ आः हिर्यः स्वाहा ॥ ५ ॥ अन्नानाघः

नयाय ॥ ॐ नमः समन्तवृक्षानां ॥ ॐ आ वलं ॥ ॐ आ वलं दद स्वाहा ॥
ॐ आः ह्रूं ह्रूं आः ॐ स्वाहा ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ धनयंचया मयाय ॥
ॐ वागीय स्वाहा ॥ अन्नमिकान ॥ ॥ ॐ अया नाय स्वाहा ॥ दधूत्तान ॥
॥ ॐ समानाय स्वाहा ॥ दालान ॥ ॥ ॐ उदनाय स्वाहा ॥ दालान
॥ ॐ दानाय स्वाहा ॥ दालान ॥ ॥ धन ज्ञाय मन ॥ ॥ धन आः

नं प्रकृष्टाय च सा तयं युक्ता वयमवतः नद

[illegible][illegible]

श्री ८ मं न तं सा यः नो मित्र ॥ ७ ॥ य ताम् ७ वि नं क ना क
 न व ली ख व य न ह रि न ७ र क र्क ७ क शि ताय क
 द न स त व क र्क सी स ॥ ८ ॥ य त वि रू वि त व वि नं ७ म त
 ल ७ य न ७ र न ल स त ७ र व ७ य न ना द वि ना वि त द न
 ॥ ९ ॥ य न स न स गि य लि ७ र ७ य न व वि ना य क ल ७

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in five lines across the top page of the open book.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in five lines across the bottom page of the open book.

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is arranged in six lines, with some characters appearing to be stylized or abbreviated. The script is dense and fills the page.

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is arranged in six lines, with some characters appearing to be stylized or abbreviated. The script is dense and fills the page.

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनि-
 शिष्यं त्वत्पुत्रं त्वया मे वक्ष्यसे ॥ इति श्रीमद्भग-
 वद्गीता उपनिषद्ब्राह्मणे योगो नाम चतुर्विंशोऽध्यायः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is arranged in five lines, with some lines starting with a large initial letter. The script is dense and characteristic of the period.

I | 232 |

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is arranged in five lines, with some lines starting with a large initial letter. The script is dense and characteristic of the period.

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

x

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वनं नृपतीसमयं समुद्रं नृपतिवृत्तमासीदिति शब्दः ॥ ३५ ॥
 नृपतीसमयः ॥ नृपतिवृत्तमासीदिति शब्दः ॥ ३६ ॥
 वनं नृपतीसमयं समुद्रं नृपतिवृत्तमासीदिति शब्दः ॥ ३७ ॥
 नृपतीसमयः ॥ नृपतिवृत्तमासीदिति शब्दः ॥ ३८ ॥
 वनं नृपतीसमयं समुद्रं नृपतिवृत्तमासीदिति शब्दः ॥ ३९ ॥
 नृपतीसमयः ॥ नृपतिवृत्तमासीदिति शब्दः ॥ ४० ॥





